दैनिक भास्कर 15/01/2022

आदि से अंत तक हमारी सारी जीवन प्रक्रिया शास्त्र से चलती है : प्रभाकर

अम्बाला | जीएमएन कॉलेज व एसडी कॉलेज ने संयुक्त रूप से मकर सक्रांति पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी कराई गई। इसका विषय \'कर्मकांड व ज्योतिष शास्त्र में दर्शन का स्वरूप\' रहा। प्रिंसिपल डॉ. राजपाल सिंह ने बताया कि बीज वक्ता डॉ. सुरेंद्र मोहन मिश्र निदेशक, गुलजारी लाल नंदा शोध संस्थान, कुरुक्षेत्र ने ज्योतिष शास्त्र व कर्मकांड पर विचार रखे। विशिष्ट अतिथि डॉ. केदारनाथ प्रभाकर, रामतीर्थ ज्योतिष अनुसंधान केंद्र, सहारनपुर ने कहा कि यह शास्त्र हमारा सहचर है क्योंकि आदि से अंत तक हमारी सारी जीवन प्रक्रिया इसी के साथ चलती हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनुपमा आर्या ने बताया कि ज्योतिष का ज्ञान वेदों के ज्ञान के बिना अधूरा है। मालती आकल सडान (साउथ अफ्रीका) ने बताया कि हम अपनी परंपराओं से कट रहे हैं और इसलिए इन गंभीर और वैज्ञानिक विषयों को ठीक ढंग से समझ नहीं पा रहे। डॉ. अविनाश, पूर्व विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र नालंदा विश्वविद्यालय ने बताया कि भारतीय ज्योतिष शास्त्र का सम्मान नासा के वैज्ञानिक भी कर रहे हैं। डॉ. आशुतोष संस्कृत विभागाध्यक्ष एसडी कॉलेज ने इस विषय के बारे में अपने विचार प्रकट किए।